

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: सर, इन्होंने पेपर्स authenticate करके सबमिट किये हैं। हम इनको जानकारी देना चाहते हैं कि जितने चिंतित आप हैं ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You are not permitted to distribute.

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: आप से ज्यादा चिंता स्वामी जी पहले ही कर लेते हैं। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Zero Hour submissions.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Demand to conferring Bharat Ratna Award on legendary hockey player Major Dhyan Chand

डा. चंद्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, मैं आज इस सदन का ध्यान बहुत ही महत्वपूर्ण ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is that being distributed without permission? You cannot distribute anything without my permission. Yes, please.

डा. चंद्रपाल सिंह यादव: माननीय उपसभापति जी, मैं आज सदन का ध्यान एक विशेष महत्व के सवाल के ऊपर दिलाना चाहता हूँ। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द को इस दुनिया में कौन नहीं जानता? मेजर ध्यानचन्द झांसी में जन्मे और उन्होंने हॉकी के माध्यम से, जहां हॉकी का, वहीं पूरे देश का नाम दुनिया में रोशन करने का काम किया।

उपसभापति जी, उन्होंने 1928 में, 1932 में और 1936 में तीन ओलम्पिक खेलों में भारत को जिताने का काम किया। उन्होंने तीनों ओलम्पिक खेलों में 48 मैच खेले और उन्होंने 109 गोल करके पूरी दुनिया में रिकॉर्ड कायम करने का काम किया।

उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूँ कि उन्होंने जो विश्व रिकॉर्ड बनाया, आज तक के इतिहास में कोई उस रिकॉर्ड को तोड़ नहीं पाया और उनके प्रदर्शन को देखकर हिटलर ने पेशकश की थी कि वे जर्मनी की तरफ से खेलें, लेकिन मेजर ध्यानचन्द ने उसके लिए साफ मना कर दिया और उन्होंने हिन्दुस्तान की मर्यादा के लिए, हिन्दुस्तान के लिए खेलने का काम किया।

उपसभापति जी, क्रिकेट के बहुत बड़े खिलाड़ी सर डॉन ब्रैडमैन ने कहा कि मैं मेजर ध्यानचन्द का बहुत बड़ा प्रशंसक हूँ और उन्होंने गोल इतनी आसानी से किए कि मैं इतनी आसानी से रन नहीं बना सकता। उनको हॉकी कोच बनाने के लिए अमेरिका, जर्मनी और आस्ट्रेलिया ने पेशकश की, लेकिन उन्होंने इस बात के लिए मना कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं जो भी करूंगा, वह हिन्दुस्तान के लिए करूंगा, भारत माता के लिए करूंगा।

उपसभापति जी, 25 जुलाई, 2015 को "भारत गौरव पुरस्कार" से ब्रिटिश पार्लियामेंट ने उन्हें सम्मानित किया, भले ही अंग्रेजों ने हमारे ऊपर सैकड़ों वर्षों तक शासन किया। माननीय मोदी

जी जो आज देश के प्रधान मंत्री हैं, गुजरात के मुख्य मंत्री रहते हुए, उन्होंने भी रिकमंड किया कि मेजर ध्यानचन्द को "भारत रत्न" का पुरस्कार मिलना चाहिए।

उपसभापति जी, मैं इस सदन के माध्यम से सभी साथियों से यह निवेदन करना चाहता हूँ कि हम लोगों को एक स्वर से हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द को "भारत रत्न" देने के लिए समर्थन करना चाहिए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Full support. Yes, Mr. Tirkey, you associate yourself with it.

श्री दिलीप कुमार तिकी (ओडिशा): सर, मैं इसका पूरा समर्थन करता हूँ। मैं पहले भी इस बारे में बोल चुका हूँ। मेजर ध्यानचन्द जी बहुत बड़े खिलाड़ी रह चुके हैं। वे 20वीं सदी के बहुत महान खिलाड़ी रह चुके हैं। उनके नाम पर भारत में हम स्टेडियम बना चुके हैं। उनके नाम पर हम अवार्ड दे चुके हैं, इसलिए मैं भी समर्थन करता हूँ कि मेजर ध्यानचन्द को "भारत रत्न" दिया जाए।

श्री उपसभापति: हाउस का पूरा समर्थन है।

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI BHUPINDER SINGH (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI VIVEK GUPTA (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI VIJAY JAWAHARLAL DARDA (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI V. HANUMANTHA RAO (Telangana): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRIMATI VIPLOVE THAKUR (Himachal Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री सुखेन्दु शेखर राय (पश्चिमी बंगाल): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री राम कुमार कश्यप (हरियाणा): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

Concern over top companies defaulting in bank loans

SHRI PAVAN KUMAR VARMA (Bihar): Mr. Deputy Chairman, Sir, corporate houses owe PSUs something like five lakh crores of rupees and, of this amount, roughly ₹ 1.4 lakh crores are owed by just five companies, which include Lanco, GVK, Suzlon Energy, the Hindustan Construction Company and a certain company called the Adani Group and Adani Power.

Sir, I want to mention to you that the amount owed by the group called the Adani Group, both in terms of its long-term and short-term debt today, is around ₹ 72,000 crores as per reports. Yesterday, it was mentioned that the entire amount that the farmers need to pay in terms of their loan is ₹ 72,000 crores. The Adani Group itself owes ₹ 72,000 crores to the banks! ...(*Interruptions*)... Sir, it does not matter if the Group has the ability to repay this. In the last two-three years, the company's net worth has gone up by 85 per cent, but economic analysts say that the ability of the company to keep paying the interest that it needs to pay on its debt has come down dramatically during the course of the financial year. And *Budget Credit, Credit Suisse* ranks Adani Group as the fourth most burdened house of India in business. Now, Sir, in spite of this, and knowing the crisis on Mr. Vijay Mallya, a loan of one billion dollars was given by the State Bank of India to this very Group after this Government came to power. Now, I don't know what the relationship of this Government with this business house is. I don't even know if they know them.

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Crony relationship! ...(*Interruptions*)...

SHRI PAVAN KUMAR VARMA: But, Sir, the owner of this Group, Mr. Adani, is seen everywhere the Prime Minister has gone, to every country, China, UK, US, Europe, Japan, everywhere.

SHRI JAIRAM RAMESH (Andhra Pradesh): Australia!

SHRI PAVAN KUMAR VARMA: And, the Point of the matter is that PSU banks are influenced in giving loans to people even though they cannot repay it to the PSU Banks. ...(*Interruptions*)... I want a reply from the Government as to whether they are aware of this or not. And, if they are aware, what are they doing in this matter? One company owes as much as all the farmers of India in debt! ...(*Interruptions*)... I would be grateful, Sir, if we get a response. I also wish to say, Sir, that this company has been given favours that are unimaginable. In Gujarat, their SEZ was approved in spite of the High Court strictures.